an>

Title: Need to increase the capacity of Barauni Oil Refinery in Bihar.

डा. भोला सिंह (बेगूसराय) : सभापति महोदय, बरौनी रिफाइनरी अपनी स्थापना के पचासवें वर्ष में प्रवेश कर गया है, पर उसकी विकास यात्रा आंसुओं से भरी हुई है। स्थापनाकाल से आज तक केन्द्र की जो सरकारें बनी थीं, उसके साथ उन्होंने विमाता का व्यवहार किया। उसका विस्तारीकरण तो दूर वह अपने अस्तित्व के संकट से गुजर रहा है। दो पंचवर्षीय योजनाओं में जहां 70 हजार करोड़ रुपये के भारी निवेश की योजना संपूर्ण सरकार के काल में बनाई गई थी, उसमें बरौनी रिफाइनरी का नाम तक नहीं है। गुजरात, पानीपत, हल्दिया, मथुरा तेलशोधक कारखाने में उसकी शोधन क्षमता को दोगुना बढ़ाने की योजना है। वही बरौनी तेल शोधक कारखाने के भाग्य में शून्य है। बरौनी रिफाइनरी की वर्तमान शोधन क्षमता 6 मिलियन टन है और उसकी क्षमता को 12 मिलियन टन बढ़ाने की आवश्यकता है।

महोदय, यह बात समझ में नहीं आती है कि आखिर बरौनी तेल शोधक कारखाना किस सरकार की औलाद है। उसके मां-बाप कौन है, उसके विकास की जिम्मेदारी किस सरकार का उत्तरदायित्व है। वर्तमान केन्द्रीय सरकार से जो जनता की अपेक्षाओं के ज्वार पर केन्द्र की सत्ता में जिम्मेदारी के स्थान पर आसीन हुआ है, आग्रह करता हूं कि बिहार के पिछड़ेपन को दूर करने के लिए बरौनी तेल शोधक कारखाने की क्षमता को बढ़ाने और उसके अस्तित्व पर जो संकट के बादल घिरे हैं, उसे बचाकर वह उसके स्वर्ण जयंती वर्ष में स्नेह का हाथ बढ़ाकर बिहार की जनता को अपनी ओर से उससे यह एहसास कराये कि बरौनी तेल शोधक कारखाने के मां-बाप वर्तमान प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हैं। मैं इस ओर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करता हूं।